पुलिस लाइन सभागार में विपश्यना ध्यान शिविर का हुआ आयोजन

श्रावस्ती 7 सितम्बर (भि0टा0सं0)। भिनगा स्थित पुलिस लाइन सभागार में विपश्यना ध्यान शिविर का आयोजन पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया के अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं विशिष्ट अतिथि बाबा हरदेव सिंह पूर्व प्रशासनिक ऑफिसर उत्तर प्रदेश रहे। इस दौरान आचार्य गोपाल शरण सिंह विपश्यना ध्यान केंद्र श्रावस्ती ने लोगों को ध्यान की विधि बताई और ध्यान कराया। उन्होने कहा कि सांस एवं संवेदनाएं दो तरह से मदद करेंगी। वे प्राइवेट सेक्रेटरी का काम करेंगी। जैसे ही मन में कोई विकार जागा, सांस अपनी स्वाभाविकता खो देगा, वह हमे बतायेगा और हम सांस को डांट भी नहीं सकते। हमें उसकी चेतावनी को मानना होगा। ऐसे ही संवेदनाएं हमें बतायेगी कि कुछ गलत हो रहा है। चेतावनी मिलने के बाद हम सांस एवं संवेदनाओं को देख सकते है। ऐसा करने पर शीघ्र ही हम देखेंगे कि विकार दूर होने लगा। यह शरीर और मन का परस्पर संबंध एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। एक तरफ मन में जागने वाले विचार एवं विकार हैं और दूसरी तरफ सांस एवं शरीर पर होने वाली संवेदनाएं हैं। मन में कोई भी विचार या विकार जागता है तो तत्क्षण सांस एवं संवेदनाओं को प्रभावित करता ही है। इस प्रकार, सांस एवं संवेदनाओं को देख कर हम विकारों को देख रहे हैं। पलायन नहीं कर रहे, विकारों के आमुख होकर सच्चाई का सामना कर रहे हैं। शीघ्र ही हम देखेंगे कि विकारों की ताकत कम होने लगी, पहले जैसे वे हमपर अभिभूत नहीं होते। हम अभ्यास करते रहें तो उनका सर्वथा निर्मूलन हो जाएगा। विकारों से मुक्त होते होते हम सुख एवं शांति का जीवन जीने लग जाएंगे।

वहीं बाबा हरदेव सिंह पूर्व प्रशासनिक अवसर उत्तर प्रदेश ने कहा इस प्रकार आत्मनिरिक्षण की यह विद्या हमें भीतर और बाहर दोनो सच्चाईयों से अवगत कराती है। पहले हम केवल बहिर्मुखी रहते थे और भीतर की सच्चाई को नहीं जान पाते थे। अपने दुख का कारण हमेशा बाहर ढूंढते थे। बाहर की परिस्थितियों को कारण मानकर उन्हें बदलने का प्रयत्न करते थे। भीतर की सच्चाई के बारे में अज्ञान के कारण हम यह नहीं समझ पाते थे कि हमारे दुख का कारण भीतर है वह है सुखद एवं दुखद संवेदनाओं के प्रति अंध प्रतिक्रिया।

शिकायतों का समयबद्ध एवं सुचितापूर्ण ढंग से धरातल पर हो निस्तारण–जिलाधिकारी

श्रावस्ती 7 सितम्बर (भि0टा0सं0)। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में तहसील भिनगा में सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील दिवस में आयी शिकायतों को गम्भीरता से उनका निस्तारण करने हेतु सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होने कहा कि फरियादियों की शिकायतों का समयबद्ध एवं सुचितापूर्ण ढंग से धरातल पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। समस्त उपजिलाधिकारी स्वयं लंबित शिकायतों की समीक्षा करते रहे, ताकि कोई भी प्रकरण लंबित न रहने पाए। गाँव मे तैनात लेखपाल यह ध्यान रखे कि उनके ग्रामसभा के चकमार्गों, सार्वजनिक जमीनों, चरागाह एवं आवादी की जमीनों पर अवैध अतिक्रमण न होने पाए, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने समस्त थानाध्यक्षों को निर्देशित किया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस/तहसील दिवस में पुलिस विभाग से सम्बन्धित प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समय–सीमा के अन्दर किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होने यह भी कहा कि महिलाओं की जनशिकायतों को गम्भीरता से सुने तथा उनका गुणवत्ता पूर्ण ढंग से निस्तारण भी सुनिश्चित करें। यदि जिले में किसी भी थाना क्षेत्र से कोई भी फरियादी द्वारा किसी भी थानाध्यक्ष की शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही वरतने की शिकायत मिली तो निश्चित ही सम्बन्धित थानाध्यक्ष के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील दिवस भिनगा में कुल 29 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें से मौके पर ही 06 शिकायतों का निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों को समय सीमा के अन्तर्गत निस्तारण हेतु सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को उपलब्ध कराया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस इकौना में 109 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से मौके पर ही 10 शिकायतों का निस्तारण किया गया। तहसील जमुनहा में कुल 35 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से मौके पर ही 02 शिकायतों का निस्तारण किया गया।